आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 05.05.2024
समय 1830

मुख्य समाचार :—

- प्रदेश में वनाग्नि की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी प्रकार के चारे जलाने पर रोक लगाने के निर्देश दिये हैं।
- शहरी निकायों में जंगलों या जंगलों के आसपास ठोस अपशिष्ट जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया।
- आदि कैलाश मंदिर के कपाट आगामी 10 मई को विधि–विधान के साथ खोले जाएंगे।
- राज्य सरकार ने चारधाम यात्रा की सभी तैयारियों को जल्द पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

वनाग्नि निर्देश

प्रदेश के जंगलों में आग की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल प्रभाव से सभी प्रकार के चारे को जलाने पर रोक लगाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही, शहरी निकायों में जंगलों या जंगलों के आसपास ठोस अपशिष्ट जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से दूरभाष पर जिलाधिकारियों को एक सप्ताह तक प्रतिदिन वनों की आग पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिये हैं।

वनाग्नि

तापमान बढ़ने के साथ ही प्रदेश के जंगलों में आग की घटनाओं में वृद्धि दर्ज की जा रही है। शासन–प्रशासन की ओर से आग पर नियंत्रण के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। टिहरी के जंगल भी आग से धधक रहे हैं। आग बुझाने में वनकर्मी, वन पंचायतों और ग्रामीणों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। टिहरी में 175 फायर वॉचर और 150 से अधिक वन कर्मचारी आग बुझाने में जुटे हुए हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और प्रभागीय वनाधिकारी पुनीत तोमर ने सुरसिंगधार, भोनाबागी और बुडोगी के जंगलों में लगी आग का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारी और पुलिस क्षेत्राधिकारियों को खेत व नाम लैंड क्षेत्र में आग लगाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी उप–विभागीय अधिकारियों और रेंज अधिकारियों को क्षेत्र में कैंप करने, फायर अलर्ट पर त्वरित प्रतिक्रिया करने, कंट्रोल रूम को 24 घंटे एक्टिव रखने को कहा। साथ ही उन्होंने कंट्रोल कंट्रोल रूम में वन विभाग के कर्मचारियों के साथ राजस्व तथा पुलिस कर्मचारियों के तैनात करने के भी निर्देश दिए।

खाद्य पदार्थ

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों के लिए प्रयुक्त कीटनाशकों की मात्रा के संबंध में भारत के मानदंड वैश्विक स्तर के हैं और अलग–अलग खाद्य पदार्थों के लिए अलग–अलग मात्रा में कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। कृषि मंत्रालय ने इस संबंध में एक बयान जारी किया है। यह बयान उन मीडिया ख़बरों के बाद जारी किया है जिनमें दावा किया गया था कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण जड़ी–बूटियों और मसालों में दस गुना तक कीटनाशकों के उपयोग की अनुमति देता है। कृषि मंत्रालय की केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति कीटनाशकों का विनियमन करती है। इस समिति में 295 से अधिक कीटनाशक पंजीकृत हैं। मसालों में उपयोग के लिए 139 कीटनाशक पंजीकृत हैं। केंद्र ने कहा है कि कीटनाशकों के अनुपात को वैज्ञानिक विश्लेषण के आधार पर लगातार संशोधित किया जाता है।

दाखिला अभियान

उत्तराखंड शिक्षा विभाग अब नए शैक्षिक सत्र की तैयारियों में जुटा है। कोई भी बच्चा अपनी पढ़ाई न छोड़े, स्कूल ड्रॉप आउट न हो, इसके लिए शिक्षा विभाग विशेष दाखिला अभियान चला रहा है। ब्लॉक स्तर पर विद्यार्थियों के नामांकन का डेटा जुटाया जा रहा है। क्लास ड्रॉप आउट रोकने के लिए पिछले वर्ष राज्य सरकार ने मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना शुरू की थी। माध्यमिक शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि छात्रवृत्ति के ज़रिये छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए शिक्षा विभाग कक्षा 6 से 12 तक विज्ञान की किताबों को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित कर रहा है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक महावीर सिंह बिष्ट ने बताया कि राज्य के सभी ब्लॉक में विद्यार्थियों के एडमिशन की स्थिति पर नजर रखने के लिए अधिकारी नामित किये गए हैं।

आदि कैलाश

पिथौरागढ़ जिले में चीन सीमा से लगे आदि कैलाश मंदिर के कपाट आगामी 10 मई को विधि–विधान के साथ खोले जाएंगे। इसके लिए मंदिर के पुजारियों समेत कुटी गांव के लोगों ने तैयारियां पूरी कर ली है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि धार्मिक मान्यता और विधि विधान के साथ कपाट खुलने के बाद लोग आदि कैलाश मंदिर में पूजा अर्चना और दर्शन कर सकेंगे। गौरतलब है कि बीते वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदि कैलाश की यात्रा कर दर्शन किए थे, जिसके बाद से देश दुनिया के लोगो में आदि कैलाश के प्रति रुझान बढ़ा है। हर साल शीतकाल में बर्फबारी के बाद मंदिर के कपाट बंद किए जाते हैं और ग्रीष्म काल में धार्मिक अनुष्ठान के साथ दर्शन के लिए कपाट खोले जाते हैं।

चारधाम यात्रा

राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों को चारधाम यात्रा की सभी तैयारियां आगामी 10 मई तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। आज दिल्ली स्थित उत्तराखंड सदन से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअली बाबा केदारनाथ की डोली के साथ चल रहे 300 सेवादारों के दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान श्री धामी ने अधिकारियों को चारधाम यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चारधाम यात्रा के दौरान सभी तीर्थयात्रियों को हर संभव मदद पहुंचाने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि धामों के कपाट खुलने के दिन श्रद्धालुओं पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा की जायेगी।

सुरक्षा व्यवस्था

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन शुरू होते ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा रही है। इस दौरान देश–विदेश से लाखों की संख्या में यात्री और श्रद्धालु रेल परिवहन के माध्यम से आवागमन करते हैं। इस अवधि में रेलगाडियों में अत्यधिक भीड़ को देखते हुए कानून और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजकीय रेलवे पुलिस को अतिरिक्त सर्तकता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही ट्रेनों में यात्रियों के सामान, मोबाइल चोरी, जहरखुरानी, मानव तस्करी जैसी घटनाओं को रोकने और रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। रेलवे ट्रैकों पर पेट्रोलिंग व स्टेशन परिसर में बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड लगातार चेकिंग करेगी। सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जाएगी।

बेहतर सडक मार्ग

चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए लोक निर्माण विभाग सड़कों को गड्ढामुक्त कर और बेहतर बना रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से चारधाम यात्रा सड़क मार्ग की जानकारी मांगने पर लोक निर्माण विभाग के सचिव पंकज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात अनुभव उपलब्ध लिए नियमित रूप से फील्ड विजिट कर सड़कों के रख–रखाव की जानकारी ली जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान 10 मई को चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले सभी सड़कों को आवागमन के लिए बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

मृदा प्रशिक्षण

चमोली जिले के जोशीमठ स्थित केंद्रीय विद्यालय के छात्रों को कृषि विभाग की ओर से मृदा स्वास्थ्य व उर्वरता का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही छात्रों को फील्ड भ्रमण कराकर मिट्टी के नमूनों के एकत्रीकरण की व्यावहारिक जानकारी दी गई। मुख्य कृषि अधिकारी वी.पी मौर्य ने बताया कि खरीफ फसलों के लिए मृदा परीक्षण की जानकारी देने के लिए जिले के दो केंद्रीय विद्यालयों का चयन किया गया था, जिसमें केंद्रीय विद्यालय जोशीमठ में छात्रों को मृदा स्वास्थ्य व उर्वरता की जानकारी दी गई है। जबकि सात मई को केंद्रीय विद्यालय, ग्लवादम में छात्रों को मोबाइल ऐप के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य व सैंपल कलेक्शन की जानकारी दी जाएगी।

बुक डोनेट ड्राइव

पौड़ी में युवाओं को किताबों के करीब लाने के लिए अनूठा अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय युवाओं की एक संस्था ने बुक डोनेट ड्राइव शुरू किया है। इस अभियान के तहत लोगों को किताबें दान देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। दान में मिली किताबें जरूरतमंद बच्चों को मुहैया करायी जा रही हैं। इस अभियान को संचालित कर रहे युवाओं का कहना है कि साहित्य से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं तक की किताबें दान की जा सकती हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों तक जरूरी किताबें पहुंचाना है।

मौसम

राज्य के मैदानी जिलों हरिद्वार व उधमसिंह नगर में आज और कल ऊष्ण लहर का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि प्रदेश के तीन पर्वतीय जिलों में अगले 24 घंटे में हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है। वहीं, अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। इस बीच, मौसम विभाग ने 7 मई से प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राज्य में कहीं–कहीं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तेज हवाएं चलने और आकाशीय बिजली चमकने की संभावना जताई है। यह स्थिति 8 और 9 मई को भी बनी रहेगी।